मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 16 फरवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	16-02-14	17-02-14	18-02-15	19-02-15	20-02-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	36	35	36	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	15	16	16	16	16
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	1	1	2	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	77	66	68	64	62
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	21	18	20	24	22
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	9	11	14	11
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

गेहूँ की फसल में चौथी सिंचाई फसल बोने के 80 से 85 दिन पर व पाँचवी सिंचाई 100 से 105 दिन पर करें एवं अन्तिम सिचॅाई 115 से 120 दिन बाद दाना पकते समय करें।

कुष्माण्ड कुल की ग्रीष्मकालीन सब्जियों के लिये तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, तुरई, खीरा, लौकी तथा टिण्डे की बुवाई मध्य फरवरी से मध्य मार्च में करना उचित रहता है।

जहाँ पर सिंचाई की सुविधा हो वहाँ अमरूद, अनार, बेर व आंवला के पौधे फरवरी माह में लगाये जा सकते हैं।

सर्दी का असर कम हो रहा है, इस बदलते मौसम में पशुओं मे संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इस माह से गर्मी में होने वाले प्रमुख रोगों के प्रति भी सावधानी रखनी होगी।

दुधारू पशुओं को तेल व गुड़ देने से भी शरीर का तापक्रम सामान्य बनाये रखने में सहायता मिलती है।